Saroj
Utsav
VOL-3

Saroj
Utsav
VOL-3

Saroj
1001
1002
1003
1004
1005
1006
1007
1008
सत्य -सत्यमेवेश्वरो लोके सत्ये धर्मः सदाश्रितः ।
सत्यमूलनि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ॥
तुम सृष्टि, पालन और संहार की शक्ति भूता,
सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो ।
नारायणि! तुम्हें नमस्कार है ।

1001

1002

1003

1004

1005

1006

1007

1008